Publication: Janpath Samachar
Date: 25.02.2017
Page no: 11
Language: Hindi

डिजिटल एसेट और ब्लॉकचेइन फाउंडेशन ऑफ इंडिया बनाने के लिए क्रिप्टोकार्रेंसी उद्योग एक साथ आया

मुंबई (संवाददाता)। बीटकयेन स्टार्ट-अपस् जैबपे, उनोकयेन, कयेनसीक्यूर और सर्चट्रेड संयुक्त रूप से डिजिटल एसेट और आभासी मुद्रा बाजार के व्यवस्थित और पारदर्शी विकास के लिए डिजिटल एसेट और ब्लॉकचेइन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (डीएबीएफआई) का शुभारंभ किया। जैबपे, उनोकयेन, कयेनसीक्यूर और सर्चट्रेड के अधिकारियों इस बोर्ड केसदस्य होंगे। एक अंतर्राष्ट्रीय कानूनी फर्म, निशिथ देसाई एसोसिएट्स को उद्योग के आत्म-नियमों को विकसित करने के लिए नियुक्त किया गया है।

जैबपे के सीईओ सौरभ अग्रवाल के नेतृत्व में जैबपे के संदीप गोयनका, कयेनसीक्यूर के मोहित कालरा, यूनोकयेन के साध्विक विश्वनाथ एवं हरीश बी.वी. और सर्चट्रेड के विशाल गुप्ता एवं रस्मीत गुप्ता शामिल सदस्यों के साथ एक समिति गठन किया गया है ।

डीएबीएफआई बीटकयेन और अन्य ब्लॉकचेइन आधारित डिजिटल एसेंट के व्यापार के लिए डाउनसेल्फ-नियामक व्यवस्थाओं रखना होगा। उन्हों सदस्य कंपनियों के लिए केवाईसी / एएमएल / एसटीआर मानदंडों का मानकीकरण होगा। इसके अलावा, संगठन विश्वसनीयता का निर्माण होगा और लाभ और सीसी के जोखिम के बारे में जागरूकता पैदा, नियामकों के साथ संबंध स्थापित करना और कराधान पर स्पष्टता मिलता है। निवेश को आकर्षित करने और स्टार्ट-अपस् को बढ़ावा देने के लिए इन्क्यूबेटरों की स्थापना की।

सक्रिय रूप से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ संलग्न एक सार्वजनिक वेबसाइट बना सकते हैं और नियमित रूप से इसमें बीटकयेन और ब्लॉकचेइन आसपास रिपोर्ट मुद्रित होगा।